वार्तालाप-512 राऊरकेला (उड़ीसा) पार्ट-2 दिनांक- 07.02.08
Disc.CD-512, dated 07.02.08 at Rourkela (Orissa) Part-2

8.00—9.52
जिज्ञासु– बाबा, जैसे कि कोई भट्ठी कर के आते हैं और क्लास भी नहीं करते हैं और संगठन क्लास भी अटैण्ड नहीं करते हैं तो जब बाबा आते हैं तो उनको संदेश दिया जा सकता है या नहीं? भट्ठी कर चुके हैं।
बाबा– जो भट्ठी कर चुके हैं और बाबा से नहीं मिले हैं।
जिज्ञासु– बाबा से भी मिले हैं लेकिन घर में करते हैं या नहीं वो बात तो पता नहीं है बाबा लेकिन जहाँ संगठन क्लास है वहाँ भी अटैण्ड़ नहीं कर रहे हैं तो.......
बाबा– माना उनको बाप से तो प्यार है ये दिखाना चाहते हैं लेकिन बाप के परिवार से प्यार नहीं है, ये साबित हो जाता है।

Time: 8.00-9.52
Student: Baba, for example, if someone does not attend classes and does not attend the *sangathan* classes after undergoing *bhatti*, then can we give message to them when Baba comes or not? They have completed *bhatti*.
Baba: Are you talking about those who have done *bhatti* but haven't met Baba?
Student: They have met Baba, but whether they attend classes at their homes or not is not known Baba, but if they are not attending even the *sangathan* classes….
Baba: It means that they have love for the Father; they want to show this, but it proves that they do not have love for the family.

जिज्ञासु– बाबा जहाँ भी आते हैं तो उनको संदेश दे सकते है कि नहीं?
बाबा– जब परिवार से प्यार ही नहीं तो दुनिया का कल्याण करेंगे? जो घर का ही कल्याण नहीं कर सकता, घर वालों से ही नफरत करता है तो बाहर वालों से भी नफरत करेगा।
जिज्ञासु– नहीं देंगे बाबा।
बाबा– नहीं रहेंगे?
जिज्ञासु– नहीं देंगे क्या उनको संदेश?
बाबा– काहे का संदेश?
जिज्ञासु– बाबा आया है।
बाबा– वो तो बाप के बच्चे बने और परिवार में बच्चे बनते ही मर गये। बाबा तो कहते हैं कोई मेरे को 2 महीना चिट्ठी नहीं लिखता है तो क्या समझता हूँ?
जिज्ञासु– मर गया।
बाबा– ये नहीं सुना? पढ़ा नहीं?
जिज्ञासु– पढ़ा है।
बाबा– पढ़ा है तो काहे के लिए पूछते हैं?

Student: Can we give message to them wherever Baba comes or not?
Baba: When they do not have any love for the family, then will they bring benefit to the world? The one who cannot bring benefit to the home, the one who hates the members of the family will hate the outsiders also.
Student: (So) we will not give Baba.
Baba: Will you not live?
Student: Should we not give them the message?
Baba: What message?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Student: That Baba has come.
Baba: They became the Father's children and died soon after becoming children in a family. Baba says: if someone does not write a letter to me for two months, then what do I think?
Student: That he died.
Baba: Have you not heard about this (Murli point)? Have you not read it?
Student: I have read.
Baba: If you have read it, then why do you ask?

जिज्ञासु– बाबा गीतापाठशाला में कम से कम कितनी आत्मायें होनी चाहिए?
बाबा– पाँच पाण्ड्व तो होना चाहिए। उनमें दो तो पति–पत्नि हो ही जाते है।
जिज्ञासु– जो पति–पत्नि होंगे और मतलब जैसे किराये में लेकर भी गीतापाठशाला.....
बाबा– तो, तो बाहर से दो–तीन जिज्ञासु को नहीं तैयार करेंगे।

Student: Baba, at least how many souls should there be in a *Gitapathshala*?
Baba: There should be at least five Pandavas. Among them two are the husband and the wife (running the *gitapathshala*).
Student: There will be a husband and a wife and I mean to say can they take an accommodation on rent and run a *gitapathshala*…
Baba: So, will they not prepare two-three students from outside?

11.12–11.52
जिज्ञासु– बाबा, एक बात पूछना था कहीं–कहीं बाबा बार–बार किसी गीतापाठशाला में जाते हैं और कहीं–कहीं बहुत दिन के बाद। इसका क्या रहस्य हो सकता है? क्या संगठन के पॉवर की कमी कहेंगे या.......
बाबा– संगठन की पॉवर जहाँ दिखाई देती है वहाँ बार–2 जाते हैं। जहाँ पॉवर नहीं दिखाई देती है, समाचार उल्टे ही उल्टे आते है तो क्या जाके करेंगे?
जिज्ञासु– मतलब बाबा संगठन में विघ्न पड़ता है।
बाबा– विघ्न कब पड़ते हैं? अपनी कमजोरी से पड़ते है या पराई कमजोरी से पड़ते है? यहाँ यज्ञ में विघ्न किस बात का पड़ता है खास? प्योरिटी का विघ्न पड़ता है।

Time: 11.12-11.52
Student: Baba, I wanted to ask one thing, Baba visits some *gitapathshalas* repeatedly and some *gitapathshalas* after many days. What can be the secret behind this? Will it be called a lack of power of *sangathan* or…..
Baba: He goes repeatedly to the place where He finds the power of *sangathan*. What will He do by going to a place where He does not see any power [of sangathan] or from where He gets bad reports?
Student: Baba, it means that obstacles are created in the *sangathan*.
Baba: When are obstacles created? Is it due to one's own weakness or due to the weakness of others? Here in the *yagya* what is the main obstacle that is created? An obstacle is created in the subject of purity .

13.20–17.20
जिज्ञासु– जो कोई श्रीमत के बरखिलाफ काम कर रहे हैं, श्रीमत के बरखिलाफ बोल रहे हैं, उसको क्या देखकर के चुप रह जाना चाहिए या कैसे?
बाबा– भगवान ने क्या ये ड़ायरेक्शन दिया है कि जो वंचित हुई आत्मायें है या विपरीत बुद्धि आत्मायें है उनको प्रीत बुद्धि नहीं बनाना है?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासु– वो क्रोध में आ जाये तो?
बाबा– तो हम क्रोध में न आये। क्रोध क्या हमारे चिपक जाता है क्या? वो क्रोध में आ जाता गाली दे देगा। गाली हमको चिपक जायेगी? वो क्रोध में आता है हमारे घर वालों के यहाँ जाकर के ग्लानी करेगा। ग्लानि हमको चिपक जायेगी? अरे, उतनी ही ग्लानि करेगा जितनी पूर्व 63 जन्मों में हमने उसकी ग्लानि की होगी अच्छे कामों में, उसने अच्छे काम किये, अच्छे हमको सलाह दी और हमने उसकी ग्लानि की, गालियाँ दी वही उजूरा हमको मिलेगा। उससे ज्यादा नहीं मिल सकता।
जिज्ञासु– ऐसे लगन की बात भी ऐसी ही बाबा?
बाबा– बिल्कुल।

Time: 13.20-17.20
Student: Should we remain quiet if we see someone acting against the shrimat or speaking against shrimat?
Baba: Has God given this direction that you should not transform the souls who are deprived and have an opposing intellect [for God] to to those with a loving intellect for God?
Student: What if they become angry?
Baba: Then we should not become angry. Does anger stick to us? If he becomes angry, he will hurl abuses at us. Will the abuses stick to us? If he becomes angry, he will meet our family members and defame us. Will the defamation stick to us? Arey, he will defame us to the same extent as we defamed him in the past 63 births in his good deeds. When he did good things, when he gave us good advice and we defamed him, abused him. We will get the returns for the same. We cannot get more than that.
Student: Is it the same with regard to love [for the Father] Baba?
Baba: Certainly.

जिज्ञासु– बाबा ये ही हम पुछ रहे थे कि क्रोधी को, मुरली में बोला है कि काम को विकारी बोलते है और क्रोधी को विकारी नहीं बोलते।
बाबा– ठीक है। क्रोधी को विकारी तो बोलते हैं लेकिन पतित नहीं कहा जाता।
जिज्ञासु– पतित नहीं है।
बाबा– हाँ, जी।
जिज्ञासु– क्रोध में ज्यादा होता जब......
बाबा– इसलिए तो बोला है जो बच्चे क्रोध को नहीं छोड़ेंगे उनसे बापदादा नहीं मिलेंगे। क्या? ऐसे नहीं बोला जो बच्चे कामी हैं, काम से पतित बनते हैं उनसे नहीं मिलेंगे
जिज्ञासु– तो बाबा ऐसे घर में कोई–2........तो मुझे गुस्सा आता है। क्या–2 बोल देती हूँ तो आगे चलकर ऐसे बदलाव नहीं आयेगा?
बाबा– बदलाव तो सारी दुनिया में ही आयेगा।
जिज्ञासु– माना लास्ट तक क्रोध रहेगा या......
बाबा– माना सतयुग नहीं आयेगा?
जिज्ञासु– आयेगा। मेरा क्रोध कन्ट्रोल करना है।

Student: Baba, this is what I was asking that a wrathful person; it has been said in a Murli that a lustful person is called a vicious person and a wrathful person is not called vicious.
Baba: It is correct. A wrathful person is called vicious but not sinful.
Student: He is not sinful.
Baba: Yes.
Student: When someone is very angry...

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: This is why it has been said, Bapdada will not meet the children who do not give up anger. What? It has not been said that Bapdada will not meet the children who are lustful, the ones who become sinful through lust.
Student: So Baba, there are some members in the family…..I become angry. I don't know what all I say. So, will this not change in future?
Baba: The entire world will change.
Student: It means that will the anger remain till the end or….
Baba: Do you mean to say, the Golden Age will not come?
Student: It will come. I have to control anger.

बाबा– ये पुरानी दुनिया जब तक रहेगी तो पुरानी दुनिया में काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार बढ़ेंगे या घटेंगे?
जिज्ञासु– बढ़ेंगे।
बाबा– बढ़ते ही रहेंगे। चेन्ज किसको करना है? हमें अपने को चेन्ज करना है। दूसरों को चेन्ज करने की नहीं सोचना है। मातायें इस बात में अटक जाती है। भाईयों की बहुत शिकायत करती हैं – ये ऐसा करता है, वो वैसा करता है। अरे, तुम भाई थे तब तुमने कैसा किया था सो भूल गये।
जिज्ञासु– बाबा अभी हमको अज्ञानी आत्माओं से सहयोग मिल रहा है तो क्या आगे चलकर के.....उसका बदलाव आयेगा या नहीं?
बाबा– माना अज्ञानी आत्माओं से सहयोग लेने की इच्छा है?
जिज्ञासु– नहीं–2, लेने की नहीं जो सहयोग दे रहे हैं।
बाबा– दे रहे हैं, तो तभी तो प्रश्न पुछा जा रहा है आगे चलकर के सहयोग देंगे कि नहीं देंगे? उसका मतलब तो यही हुआ।
जिज्ञासु– क्या आगे चलकर के ज्ञान में आयेंगे?
बाबा– वो बाबा ने ड़ायरेक्शन दे दिया, वरदान दे दिया कि जो भी एड़वान्स में ज्ञान में चलने वाले है उनका पूरा परिवार ज्ञान में चलेगा। इसमें पूछने की क्या बात है?

Baba: As long as this old world exists, will lust, anger, greed, attachment, ego increase or decrease in the old world?
Student: They will increase.
Baba: They will go on increasing. Whom should we change? We have to change ourselves. We should not think of changing others. Mothers are stuck up in this aspect. They complain a lot about the brothers [saying,] "he does like this; he does like that". Arey, did you forget whatever you did when you were a brother (in the past births)?
Student: We are receiving cooperation from the ignorant souls….so in future….will they change or not?
Baba: Does it mean that you wish to seek help from ignorant souls?
Student: No, no. I am not thinking of seeking. The people who are cooperating.
Baba: They are giving; this is why the question is being asked whether they will help in future or not? This is what it means.
Student: Will they come into knowledge in future?
Baba: Baba gave a direction, he gave a blessing, that the entire family of those who follow the advance knowledge will start following the knowledge. What is there to ask in this?

17.32–18.16
जिज्ञासु– संबंधियों की ताकत कैसे लगायेंगे बाबा?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबा– जिन–2 आत्माओं से जीवन में हमारा संबंध जुटा है कर्मेन्द्रियों से, ज्ञानेन्द्रियों से। संबंध जुटा है कि नहीं जुटा है? वो आत्मायें हमारे संबंध में आ गई ना। जो संबंध में आते हैं उनका आपस में प्यार होता है कि नहीं? कुछ हुआ कभी कि नहीं हुआ? तो वो उनकी ताकत जो है हम ईश्वरीय ज्ञान में लगा दे। हम अपनी पूरी पॉवर लगाकर के, उनको ईश्वरीय ज्ञान सुनाकर के ईश्वर का बनाने की कोशिश करें। यही पावर लगाना है।

Time: 17.32-18.16
Student: Baba, how can we use the power of the relatives (in service)?
Baba: All those souls with whom we have established a relationship in our life through the bodily organs, through the sense organs... Have we established a relationship or not? Those souls have come into a relationship with us, haven't they? Do those who have a relationship have love for each other or not? Did they have a relationship or not? So, we should invest their power in Godly knowledge. We should try to make them God's children with our entire might, by narrating the Godly knowledge to them. This is called investing their power.

20.00–21.00
जिज्ञासु– एड़वांस पार्टी वालों की आत्मा रूपी सुई की कट कैसे उतरेगी?
बाबा– एड़वान्स पार्टी वालों की आत्मा पे?
जिज्ञासु– आत्मा रूपी सुई की कट कैसे उतरेगी?
बाबा– कैसे उतरेगी? हाँ, ये तो है। एड़वान्स वाले हैं और उनके ऊपर कट चढ़ रही है क्योंकि बाप को पहचाना था उस समय सात्विक थे, कट उतरी हुई थी बेसिकली। अब पहचानने के बाद श्रीमत की बरखिलाफी कर रहे है तो सौ गुना पाप का बोझा चढ़ रहा है। तो कट तो चढ़ रही है।
जिज्ञासु– उतरेगी कैसे बाबा?
बाबा– तो याद की यात्रा में पक्के रहे तो उतरेगी, सेवा में पक्के रहें तो उतरेगी। सेवा ही नहीं करेंगे, याद ही नहीं करेंगे, अमृतवेला करेंगे ही नहीं तो कट कैसे उतरेगी?

Time: 20.00-21.00
Student: How will the rust of the needle-like soul of those who belong to the advance party be removed?
Baba: Of the souls of advance party?
Student: How will the rust of the needle-like soul be removed?
Baba: How will it be removed? Yes, this is true. Those who belong to the advance party are accumulating rust because when they recognized the Father, they were pure, their rust was removed basically. Now after recognizing Him, they are violating the *shrimat*. So, they are accumulating hundred times burden of sins. So, the rust is accumulating.
Student: How will it be removed?
Baba: So, if they remain firm in the journey of remembrance, it will be removed. If they remain firm in service, it will be removed. If they do not do service, if they do not remember (Baba) at all, if they do not do *amritvela* at all, then, how will the rust be removed?

समय-26.25 - 30.38
जिज्ञासु- बाबा, मुरली में बोला है कि जो हद का रमेश है वो वास्तव में ब्राह्मणों की दुनिया के विनाश का निमित्त बना।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबा- हद का रमेश? हाँ।

जिज्ञासु- बेहद में ब्राह्मणों के दुनिया के विनाश का निमित्त बना।

बाबा- जो हद में ब्राह्मणों की दुनिया में विनाश करने का निमित्त बनेगा वो बेहद की 500 करोड़ की दुनिया का विनाश करने के निमित्त बनेगा या नहीं बनेगा, ये? ये प्रश्न है?

जिज्ञासु- जो हद का रमेश है वो वास्तव में ब्राह्मणों के दुनिया का विनाश का निमित्त बनता है।

बाबा- हाँ जी।

जिज्ञासु- हद का रमेश।

बाबा- हाँ, ठीक है।

Time-26.25-30.38
Student- Baba, it has been said in Murli, the limited Ramesh became an instrument in destroying the world of Brahmins.
Baba- Ramesh in a limited sense? Yes.
Student- Became an instrument in destroying the unlimited world of Brahmins.
Baba – Will the one who becomes an instrument in the limited sense to destroy the world of Brahmins, become an instrument to destroy the unlimited world of 5 billion [human beings] or not? Is this the question?
Student- The limited Ramesh becomes an instrument in destroying the world of Brahmins.
Baba- Yes.
Student- The limited Ramesh.
Baba- Yes, it is correct.

जिज्ञासु- उसका बेहद का अर्थ क्या है?

बाबा- माने बेहद का रमेश कौन है?

जिज्ञासु- बेहद में नहीं बाबा, हद का रमेश।

बाबा- अरे, हद का रमेश हद का काम करेगा, बेहद का रमेश बेहद का काम करेगा। हद माने थोड़े से ब्राह्मण और छोटी दुनिया और बेहद माना बड़ी दुनिया।

जिज्ञासु- जो हद का रमेश है वास्तव में ब्राह्मणों की दुनिया में विनाश के निमित्त बनता है, मुरली में बोला है।

दूसरा जिज्ञासु- हद का रमेश हद के ब्राह्मणों के दुनिया का विनाश का निमित्त होगा।

बाबा- निमित्त होगा कि हो गया? निमित्त बन चुका या बनेगा?

जिज्ञासु- बनता है।

बाबा- बन गया नहीं?

जिज्ञासु- बन गया।

बाबा- बन गया, हाँ जी।

जिज्ञासु- कैसे....।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Student- What does it mean in an unlimited sense?
Baba- Do you mean to say, who is the unlimited Ramesh?
Student- Not the unlimited Ramesh, Baba, the limited Ramesh.
Baba- Arey, the limited Ramesh will perform the limited task, the unlimited Ramesh will perform the unlimited task. Limited means a few Brahmins and a small world and unlimited means a big world.
Student- It has been said in murli, the limited Ramesh becomes an instrument in destroying the world of Brahmins.
Student- The limited Ramesh will become an instrument in destroying the limited world of Brahmins.
Baba- Will he 'become' an instrument or did he [already] become an instrument? Has he already become an instrument or will he become one [later]?
Student- He becomes.
Baba- Did he not become?
Student- He became.
Baba- He became, that's correct.
Student- How?

बाबा- अरे, बाबा ने उनसे कब कहा था कि तुम वर्ल्ड रिन्यूवल ट्रस्ट अलग से संगठन बना लो? बोला था? बाबा ने तो मुरली में बोला, तुम अपनी संस्था को रेजिस्टर्ड मत कराओ। हम अपनी संस्था भ्रष्टाचारीयों से रेजिस्टर्ड क्यों कराये? हमारी श्रेष्ठाचारी गवर्मेंट, हम श्रेष्ठाचारी दुनिया स्थापन करने वाले, भ्रष्टाचारीयों के अंडर में हम क्यों चले? उन्होने रेजिस्ट्रेशन करा लिया। उसमें कुमारीका दादी और बड़ी-2 दादियाँ और दादायें भी एड कर लिये। तो ये बाबा से चोरी की या नहीं की? बाबा की बरखिलाफी की या बाबा को सहयोग दिया? बाबा को जो बरखिलाफी करेंगे, बाबा को असहयोग देंगे, बाबा को धोखा देंगे वो ब्राह्मणों की दुनिया का विनाश करने के निमित्त बने या उद्धार करने के निमित्त बने?

Student- Arey, when did Baba tell him to make a separate gathering, the world renewal trust? Did he tell him? Baba said in a murli, "Don't get your institution registered. Why should we get our institution registered by the unrighteous ones? Ours is a righteous government, we are the ones who establish the righteous world, why should we remain under the control of the unrighteous ones? He got it registered. He added [the names] of Kumarka dadi and the senior dadis and dadas. So, did they cheat Baba [in this] or not? Did they go against Baba or did they help him? The ones who go against Baba, [the ones] who don't give cooperation to Baba, [the ones] who cheat Baba…; did they become instruments in destroying the world of Brahmins or did they become instruments in uplifting it?

अब तो और ही वर्ल्ड रिन्यूवल ट्रस्ट के अन्डर में बड़ी-2 इंडिया की और विदेश की बिल्डिंगे आ गई। सारी प्रॉपर्टी किसके अंडर में आ गई? रमेश भाई की मुट्ठी में आ गई। जैसे ये सारी दुनिया की बड़ी ते बड़ी, बड़ी दुनिया कि गवर्मेंट कौन है? अरे, 500 करोड़ की जो दुनिया है उसमें बड़ी ते बड़ी गवर्मेंट कौन और किस देश में हैं? अमेरिका। और अमेरिका का जो प्रेसिडेंट है उसके हाथ में सारी पावर है। ऐसे ही अभी बेसिक ब्राह्मणों की दुनिया में सबसे बड़ी पावर

किसके हाथ में हैं? रमेश भाई के हाथ में हैं। वो श्रीमत के अनुकूल हुआ है या श्रीमत के बरखिलाफ हुआ है? श्रीमत के बरखिलाफ हुआ है। तो विनाश होगा या उससे स्थापना होगी? विनाश होगा।

Baba- Moreover, now the big buildings of India and abroad have come under the control of the World Renewal Trust. Under whose control did the entire property come? It came in the hands of Ramesh bhai. For example, which is the biggest government of this entire world, of this big world? Arey, which is the biggest government in this world of 5 billion [people] and in which country is it? [It is] America, and the entire power is in the hands of the president of America. Similarly, now in the world of the basic Brahmins, in whose hands is the greatest power? It is in the hands of Ramesh bhai. Did this happen according to *shrimat* or did this happen against it? This has happened against *shrimat*. So, will destruction take place through it or will it lead to establishment? Destruction will take place.

समय-30.44 - 32.08
जिज्ञासु- बाबा, कर्मेन्दियों से सुख भोगने का अर्थ क्या है?
बाबा- कर्मेन्द्रियाँ मालूम है कौनसी है?
जिज्ञासु- हाथ, पाँव जैसी...।
बाबा- हाथ, पाँव बस दो ही कर्मेन्द्रियाँ है?
जिज्ञासु- उससे सुख भोगने का अर्थ क्या है?
बाबा- हाथ, पाँव ही कर्मेन्द्रियाँ है और नहीं है कोई कर्मेन्द्रियाँ? पहले कर्मेन्दियों को समझो आस पास वालों से कानाफूसी कर लो। नहीं मालूम हो तो फिर बता देंगे।
जिज्ञासु- पाँच कर्मेद्रियाँ, पाँच ज्ञानेंद्रियाँ मालूम है।
बाबा- मालूम है? हाँ।

Student- Baba, what is meant by enjoying pleasures through the organs of action *(karmendriya)*?
Baba- Do you know which are the organs of action?
Student- Like hands, legs...
Baba- Are hand and legs the only two organs of action?
Student- What is meant by enjoying pleasures through them?
Baba- Are hands and legs the only organs of action? Are there no other organs of action? First understand [which are] the organs of action. Discuss it with the ones around you. If you still don't understand, I will tell you.
Student- I know there are five organs of action as well as five sense organs.
Baba- Do you know them? Yes.

जिज्ञासु- हाथ पाँव से सुख भोगने का अर्थ क्या है?
बाबा- अच्छा, हाथ से बच्चे का अम्मा गाल पकड़ती है कि नहीं? "मेरा बच्चा, मेरा प्यारा"। ये सुख मिलता है कि नहीं? अरे, मिलता है कि नहीं? हाँ, मिलता है। तो बस खतम, ऐसे ही हो गई...।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासु- पाँव से बाबा?

बाबा- पाँव से? अच्छा, हाथ से मिल सकता है तो पाँव से नहीं मिल सकता? क्रोध में आ करके कोई को लात मारी तो थोड़ी शांती मिलती है कि नहीं?

Student- What is meant by enjoying pleasures through the hands and legs?
Baba- Accha, does a mother touch the cheeks of her child with her hands or not? [By saying,] “My child, my dearest”. Does she get happiness through this or not? Arey, does she get it or not? Yes, she gets it. So, that’s all, it is just like this.
Student- [How do we experience happiness] through the legs Baba?
Baba- Through the legs? Accha, if you can get happiness through the hands, can’t you get it through the legs? If you become angry and kick someone, do you find some peace [of mind] or not?

समय- 27.32-29.35

जिज्ञासु- बाबा, अनुसूया माता ने ब्रह्मा, विष्णू और शंकर के अहंकार को तोड़ दिया।

दूसरा जिज्ञासु- उनको बच्चा बना दिया।

बाबा- हाँ।

जिज्ञासु- उसका ब्राह्मणों के दुनिया में कैसे शूटिंग पिरीयड में होता है?

बाबा- माना ब्राह्मणों की दुनिया में कोई ऐसी 100% माता नहीं निकलेगी जो ब्रह्मा को, विष्णू को और शंकर को तीनों आत्माओं को बच्चे के रूप में देखती हो? ब्रह्मा माने बड़ी मम्मी, विष्णू माने छोटी मम्मी और शंकर माने शंकर। तीनों आत्माओं को अपने बच्चे के रूप में देखने वाली कोई 100% ऐसी नजर वाली माता ही नहीं होगी? फिर?

जिज्ञासु- कौन हो सकती है वो?

बाबा- अब कौन हो सकती है क्या... बाबा पार्ट खोलने बैठेंगे एक-एक के क्या? वो तो अपनी दृष्टी से, अपनी वृत्ती से, अपने कर्मों से स्वतः ही प्रत्यक्ष होगा।

Time-27.32-29.35
Student- Baba, mother Anusuya put an end to the ego of Brahma, Vishnu and Shankar.
Another student- She made them her child.
Baba- Yes.
Student- How does it happen in the world of Brahmins in the shooting period?
Baba- Do you mean to say, won’t there be any such mother in the Brahmin world who sees Brahma, Vishnu and Shankar, all the three souls in the form of children cent percent? Brahma means the senior mother *(badi mammi)*, Vishnu means the junior mother *(choti mammi)* and Shankar means Shankar. Won’t there be any such mother who sees all the three souls in the form of her own children cent percent? Then?
Student: Who can she be?
Baba: Well, who can it be, ...will Baba sit and reveal the roles of every one? That [soul] will reveal itself through its vision, vibrations, actions.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासु- बाबा, उनके अहंकार को.... मुरली में बताया गया था...।
बाबा- किसके अहंकार को?
जिज्ञासु- ब्रह्मा, विष्णू, शंकर के अहंकार को अनुसूया ने खंडन किया।
बाबा- हाँ, तो अहंकार होता नहीं है क्या इन आत्माओं को?
जिज्ञासु- कैसा अहंकार बाबा?
बाबा- माना ब्रह्मा को, विष्णू को, शंकर को अहंकार नहीं होता? अगर अहंकार नहीं होता तो याद क्यों करते हैं? अरे, याद कौन करेगा? जिसको देहभान होगा वो ही तो याद करेगा। देहभान नहीं होगा तो याद करने की क्या दरकार? वो तीनों आत्मायें जो ब्रह्मा, विष्णू, शंकर का पार्ट बजाने वाली है वो भगवान को याद करती है कि नहीं करती है? तो साबित होता है कि देह अहंकार है।
जिज्ञासु- बाबा, ...।
बाबा- कोई भी देहअहंकार हो उसका रिजल्ट अपवित्रता ही निकलता है।

Student- Baba, their ego… it was said in murli…
Baba- whose ego?
Student- Anusuya put an end to the ego of Brahma, Vishnu and Shankar.
Baba- Yes. So, don’t these souls have ego?
Student- What kind of an ego Baba?
Baba- Do you mean to say Brahma, Vishnu and Shankar don’t have ego? If they don’t have ego, why do they remember [the Father] ? Arey, who will remember [the Father] ? Only the one who will have body consciousness will remember [the Father] . If they don’t have body consciousness, what is the need to remember [the Father] ? Do all those three souls who play the part of Brahma, Vishnu and Shankar remember God or not? So, this proves that they have body consciousness.
Student: Baba, ...
Baba: Whichever type of body consciousness it may be, it results in impurity itself.

समय- 29.35 -32.45
जिज्ञासु- बाबा, जगदम्बा की नौ दिन पूजा होती है और लक्ष्मी की एक दिन पूजा होती है।
बाबा- नई नौ दिन और पुरानी सौ दिन, ऐसे कहते हैं ना? क्या? जो नई है वो नौ दिन। ज्यादा प्राप्ती जो है वो लक्ष्मी करती है या जगदम्बा करती है? अरे, जीवन का लक्ष्य क्या है? नारी से लक्ष्मी बनना, नर से नारायण बनना। तो लक्ष्य किसने प्राप्त किया? लक्ष्मी ने लक्ष्य प्राप्त किया और जगदम्बा ने? अरे, जगदम्बा ने वाह वाही ली या लक्ष्य भी प्राप्त किया? वाह वाही ली। तो वाह वाही लेना, मान मर्तबा लेना वो एक अलग बात होती है और लक्ष्य प्राप्त करना जीवन का वो एक अलग बात होती है। इसलिए लक्ष्मी से सिर्फ धन मांगते हैं। लक्ष्मी चालाक चंट नहीं है। वो वही चीज देती है जो भगवान से मिली है। क्या? हम सबको किससे प्राप्ती होती है? भगवान से प्राप्ती होती है। क्या प्राप्ती हुई? ज्ञान मिला। तो जो हमको मिला है सो ही हम दूसरों को दे। बाकी हर प्रकार की प्राप्ती करा दे सबको सब हमारी वाह वाही करे, सब

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

हमसे खुश हो जायें, ये कोई ईच्छा नहीं होती है। जगदम्बा से सब प्रकार की ईच्छायें प्राप्त करने के लिए जाते हैं, सब मनोकामनायें पूर्ण करती है। फिर उसकी अपनी मनोकामना पूरी होती है? नारी से लक्ष्मी बनती है?

Student- Baba, Jagadamba is worshipped for nine days and Lakshmi is worshipped for one day.
Baba- That which is new lasts for nine days and that which is old lasts for a hundred days, they say so [in the path of bhakti], don't they? What? That which is new lasts for nine days. Does Lakshmi achieve more attainments or does Jagadamba achieve more attainments? Arey, what is the aim in life? [It is] to become Lakshmi from a woman and Narayan for a man. So, who achieved the aim? Lakshmi achieved the aim and Jagadamba? Arey, did Jagadamba receive praise or did she also achieve the aim? She received praise. So, to receive praise, to receive honor and prestige is a different thing and to achieve the aim of life is a different thing. That is why [people] ask only for wealth from Lakshmi. Lakshmi is not wily and cunning. She gives only that thing which is received from God. What? From whom do all of us receive attainments? We receive attainments from God. What did we receive? We received knowledge. So, we should give others what we have received. As for the rest, we should fulfill all kinds of requirements of everyone, that everyone should praise us, everyone should be happy with us, there shouldn't be this [kind of] desire. [The devotees] go to Jagadamba to fulfill all kinds of desires; she fulfills all kinds of desires. Then is her own desire fulfilled? Does she become Lakshmi from a woman?

जिज्ञासु- नहीं बनती है।
बाबा- फिर? ब्राह्मण बनने के बाद मान मर्तबा लेना, वाह वाही लेना, अपनी महीमा कराने की ईच्छा करना ये बुद्धिमानों का काम है या जानवर गाय का काम है? जानवर का काम है। गाय जानवर होती है कि क्या होती है? जानवर होती है। इसलिए गंगा को फिर भी कन्या का चेहरा दिखाया हुआ है। शंकर के मस्तक पे किसका चेहरा दिखाते हैं? गंगा का। लेकिन कामधेनू को कौनसा चेहरा दिखाया है? गाय का चेहरा दिखाया गया है। जहाँ से गंगा निकलती है वहाँ भी कौनसा चेहरा बनाया हुआ है? गऊ मुख। क्यों आदमी का क्यों नहीं बनाय दिया? ज्ञान आदमी सुनायेगा कि जानवर सुनायेगा? आदमी सुनाता है।

Student- She doesn't.
Baba- Then? To take honor and prestige, to take praises, to desire to be praised after becoming a Brahmin, is this the work of an intelligent one or is it the work of the animal cow? It is the work of an animal. Is the cow an animal or is it something else? It is an animal. That is why Ganga has been shown with the face of a virgin anyway. Whose face is shown on the head of Shankar? Of Ganga. But Kaamdhenu has been shown with which face? She has been shown the face of a cow. The place from where Ganga emerges, which face has been made over there as well? The face of a cow. Why? Why wasn't the face of a human being made? Will a human being narrate knowledge or will an animal narrate it? A human being narrates it.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

समय-43.00 -45.58

जिज्ञासु- जब कोर्स दिया जाता है तो उसमें लोकल टीचर, जो सन्देश दिया वो सन्देश वाहक और मधुबन टीचर कहा जाता है....

बाबा- हाँ जी।

जिज्ञासु- उसमें ज्यादा भाग्य किसका बनता है?

बाबा- एक होता है जन्म दाता, उसको कहते हैं पिता और उसके बाद दूसरी होती है माता जो पालना करती है। ज्यादा महत्व किसको दिया जाता है? पालना करती तो है लेकिन बच्चा किसका कहा जाता है? बाप का बच्चा कहा जाता है। ऐसे ही यहाँ भी है। जो सन्देश देता है वो बाप हो गया, जन्म देने वाला हो गया। वो सन्देश की बात बुद्धि में बैठ गई तब वो कोर्स लेता है। क्या? कोर्स लेता है। जब कोर्स लेता है तो उस आत्मा में फोर्स आता है बाप के घर जाकर जन्म लेने का और पुरानी दुनिया से मरने का। पुराने संगठन रूपी ब्राह्मणों की दुनिया से मर जाता है और कहाँ जाके जन्म लेता है? ब्राह्मणों की नई दुनिया के बीच जाके जन्म लेता है बाप के घर में।

Student- When the course is given, in that [the name of] the local teacher, the one who gave the message [the name of] that … and [the name of] the one who is called the madhuban teacher... .
Baba- Yes.
Student- Who makes more fortune among them?
Baba- One is, the one who gives birth, he is called the father and after him the second one is the mother who gives sustenance. Who is given more importance? She does sustain but whose child is he said to be? He is said to be the child of the father. It is the same here as well. The one who gives the message is the father; he is the one who gives birth. He [the student] takes the course when that message sits in his intellect. What? He takes the course. On taking the course, that soul receives the force to go and to be born in the Father's house and to die from the old world. He dies from the old gathering like world of Brahmins and ... where does he go and take birth? He goes and takes birth in the new world of Brahmins, in the Father's house.

जिज्ञासु- ज्यादा महत्व किसका है तीनों टीचर में?

दूसरा जिज्ञासु- तीनों टीचर में ज्यादा भाग्य किसका होगा?

बाबा- अभी तो बताया। एक सन्देश देने वाला, दूसरा कोर्स देने वाला और तीसरा मधुबन में जब पहूँचते हैं तो मधुबन में जो कोर्स देने वाला टीचर बनता है। अगर कोर्स कराने वाले ने कोर्स ही ना कराया होता तो मधुबन टीचर, टीचर कैसे बनता? और सन्देश देने वाले ने सन्देश ही न दिया होता तो 5 चित्रों पर कोर्स कौन बैठके देगा? फोर्स किसके ऊपर भरा जायेगा? तो मूल बात है सन्देश बुद्धि में बैठ जाये और ये सन्देश सबकी बुद्धि में बैठता नहीं है। क्या? सन्देश थोड़े समय के लिये बैठ भी जाये, कोर्स भी ले ले तो जरूरी नहीं है भट्ठी करें। सन्देश ले ले, हाँ-2 कर ले अच्छी बात है, कोई जरूरी नहीं है कोर्स ले ले।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Student- Among all three teachers, who is more important?
Another student- Who will make more fortune from among the three teachers?
Baba- It was said just now. One is the one who gives the message; the other one is, the one who gives the course and the third one is, the one who becomes the teacher to give course in Madhuban. Hadn't the one who gives course, given the course, how would the Madhuban teacher become a teacher? Hadn't the one who gave the message, given the message, who would have given the course of the 5 pictures? In whom would he have filled the force have? So, the main thing is that the message should sit in the intellect and this message doesn't sit in the intellect of everyone. What? Even if the message sits in the intellect for some time, even if he takes the course, it is not necessary that he will do *bhatti*. If he takes the message, if he accepts it, [if he says] it is nice, it is not necessary that he will take the course.

……………………………………………………………………………………………………
Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info